

SARDAR PATEL UNIVERSITY**SYBA (External) Examination****Saturday, 8th March 2014****2.30 - 5.30 pm****Translation II****અનુવાદ પેપર II****કુલ ગુણા : ૧૦૦****નોંધ : જમણી બાજુ દર્શાવેલ આંકડા ગુણા સૂચયે છે.**

પ્ર.૧ અનુવાદ પ્રવૃત્તિમાં સર્જતી સમસ્યાઓ અને તેના નિરાકરણ અંગે સંદર્ભાંત વિગતે ચર્ચા કરો. (૨૦)
અથવા

પ્ર.૧ નીચેના વિશે નોંધ લખો: (૨૦)
(૧) અનુવાદ અને ભાષાવિજ્ઞાન
(૨) અનુવાદ અને સમૂહ માદ્યમ

પ્ર.૨(અ) નીચે દર્શાવેલ કોઈ પણ દશ શબ્દના ગુજરાતી તથા હિન્દી પર્યાય આપો. (૧૫)
(1) Circular (8) Orphanage (15) Elocution
(2) Epidemic (9) Blue Print (16) Humanities
(3) Anatomy (10) Fake (17) Guarantee
(4) Aesthetics (11) Bio-Chemistry (18) Approval
(5) Remuneration (12) Consumer (19) Hijack
(6) Portfolio (13) Boycott (20) Loan-Service
(7) Secrecy (14) Abnormal

પ્ર.૨(બ) કોઈ પણ પાંચ શબ્દ સમૂહ, કહેવત તથા ટૂંકા રૂપના ગુજરાતી તથા હિન્દી અર્થ તથા વિસ્તૃત રૂપ જણાવો. (૧૫)

(1) As compared	(6) To kill two birds with one stone
(2) To run after	(7) Fortune favours the brave
(3) To pay respect	(8) B.B.A.
(4) To run risk	(9) RTO
(5) Apart from this	(10) G.P.F.

Q.3 Translate the following paragraph into Gujarati: (13)

Some people tell jokes and stories and make people laugh. Others may tell equally amusing stories and yet fail. The entertainer should be sensitive to the right and wrong moment and the audience should be responsive and encouraging. Good entertainer always creates the right mood before beginning his joke or story, game or trick. The personality of the entertainer plays a very important role. It is not easy to entertain people with different tastes and of different ages. We must remember: "Laugh and the world will laugh with you; weep and you will weep alone." A successful entertainer releases laughter, emotion and interest. Like dreams, laughter fulfills our repressed wishes.

OR

Q.3 The pen stands for learning, while the sword stands for fighting. Authors, thinkers, statesmen are the persons who use the pen. Soliders or generals are persons who use the sword. The power of the pen is superior to the power of the sword. The conquests of soliders or generals are short-lived. They are forgotten after they disappear from the world. Alexander, Julius Caesar and Napoleon are now mere names in the history of the world. But the power of the pen is everlasting. Who will forget the mighty minds of old ? The solider conquers others through the power of the sword, but the poet conquers others through his imagination or the author conquers others through his thoughts.

પ્ર.૪ નીચેના પરિચ્છેદનો અંગેજમાં અનુવાદ કરો.

(۹۲)

એક રાજી હતો. તેનું નામ મીડાસ હતું. તે સોનાને ખૂબ ચાહતો હતો. એક દિવસ એક દૈવતાએ એને આશીર્વાદ આપ્યા. દૈવતાએ તેને સોનાના સ્પર્શના આશીર્વાદ આપ્યા. રાજી જેને રૂપરૂપ કરે તે સોનામાં ફેરવાઈ જાય. રાજી ખૂબ ખુશ થયો, પણ હેઠે તે ખાઈ-પી શકતો ન હતો, કારણેકે તે સોનામાં ફેરવાઈ જતું હતું, પછી તેણે પોતાની દીકરીને ચુંબન કર્યું તો તે પણ સોનામાં ફેરવાઈ ગઈ, રાજી ખૂબ દુઃખી થઈ ગયો. છેવટે તેને સાચી વાત સમજાઈ.

અથવા

મ્ર. ઝ નીચેના પણિયથેણનો અંગેજમાં અનવાદ કરો.

ભારત તહેવારોનો દેશ છે. વર્ષ દરમ્યાન આપણો અનેક તહેવારો ઉજવીએ છીએ, એ સૌમાં હોળીનું સ્થાન અનોખું છે. હોળીનો તહેવાર સમાજના બધા જ વર્ગના લોકો આનંદથી ઉજવે છે. હિરાયક શિષુએ પ્રહલાદને મારાવાના પ્રયત્નો કર્યા પણ પ્રહલાદ બચી ગયો. એની ખુશીમાં આજે પણ આપણો હોળીનો તહેવાર ઉજવીએ છીએ. હોળીનો બીજો દિવસ ધૂળેટી. રાજસ્થાનમાં આ તહેવાર ખૂબ ઉત્સાહી ઉજવાય છે. દૂર દૂર ગયેલા લોકો હોળી ઉજવા ઘેર પરત આવે છે.

प्र.५ प्र.५ निम्नलिखित हिन्दी परिच्छेद का गujarati में अनवाद कीजिए।

(93)

विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरा नहीं, पर अपनी भाषा सर्वोपरि है। कोई भी भाषा बुरी नहीं होती; क्योंकि सबकी अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं, अपने-अपने बोलनेवाले होते हैं। हर भाषा यदि किसी अन्य के लिए केवल 'भाषा' है, तो अपने लिए 'मातृभाषा' भी होती है। किसी की 'भाषा' या किसी की 'मातृभाषा' को बुरा मानना या समझना मनुष्यता नहीं, विद्याप्रेम नहीं, बल्कि संकीर्णता और नीचता है। फिर, हर भाषा का अपना साहित्य होता है और साहित्य मानवमात्र के प्रेम की वस्तु है। संसार के कोने-कोने में अनगिनत भाषाएँ बोली और लिखी जाती है, जिनकी अपनी प्रकृति और अपने उच्चारण है। ये सभी भाषाएँ सीखी जा सकती हैं। हर भाषा के साहित्य की अपनी विशिष्टता है। उस विशिष्टता में किसी भी देश की मानसिक विलक्षणता रहती है। इस सभी बातों की जानकारी के लिए ही विदेशी भाषाओं का अध्ययन होता है। इसलिए विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरा नहीं है।

अथवा

बेरोजगारी की समस्या नयी नहीं है, किन्तु हाल के वर्षों में कुछ सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के कारण इसका स्तर एवं इसकी गंभीरता बहुत बढ़ गयी है। प्रथमतः हमारी अर्थव्यवस्था एक ओर बढ़ती हुई आबादी और दूसरी ओर हस्तचालित मशीनों में परिवर्तित होने के कारण अव्यवस्थित हो गई है। द्वितीयतः देश की मध्यमवर्गीय अर्थव्यवस्था भूमि का सहारा खो देने तथा संयुक्त परिवार के टूटने के कारण अव्यवस्थित हो गई है। प्रायः प्रत्येक परिवार का एक घर था और भूमि से कुछ न कुछ आय थी। संयुक्त परिवार की प्रथा के साथ यह बीमारी और बेकारी के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करता था। हम सबका सामान्य अनुभव है कि आर्थिक परिस्थितियों के दबाव के कारण संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहा है और पारिवारिक भूमियाँ शीघ्रतापूर्वक गायब हो रही हैं। भारत के विभाजन ने उस क्रिया को अधिक तेज बना दिया है।

प्र.५ नीचेना परिच्छेदनों हिन्दीमां अनुवाद करो। (१२)

तंदुरस्तीनो प्रक्षेप बहु सरण छे। पण अफ्सोस के आजे लोकोमे ऐने धणो मुश्केल बनावी दीधो छे। तंदुरस्त रहेवु अे शरीरनी साधारणा स्थिति छे। पण मनुष्ये कुदरतना मार्गमां धणी ज अडयाणो नाखी छे। आनाथी ज आजे रोगोनी अतिशयता छे। ईलाज करनाराओमे आ मुश्केलीने वधारीने तंदुरस्तीना प्रक्षेप ऊलठो गूँचयणाभर्यो कर्यो छे। कुदरतना मार्गमां अडयणा न नाखो तो तमे तंदुरस्त रहेशो। जो तमे बीमार पडशो तो जे अडयाणो नाखी होय तेमने हटावी दो। तमे तंदुरस्त बनी जशो। दवाथी कोई पण शायदो थई शक्तो नथी। शरीरने साधारणा खोराक, हवा, पाणी अने तडका सिवाय बीजु कोई पण चीजनी जड़त नथी। कुदरते ऐने ऐवुं बनाव्युं छे के पोतानी सुधारणा के सकाई जाते ज करी ले छे।

अथवा

आजना वैश्विकरणना युगमां एकबाजु भोगवादनां साधनो विपुल प्रभाणमां प्राप्त थयां छे। तो बीजु बाजु वैज्ञानिक प्रगतिनुं सूचक ऐवुं एक साधन के जे अनेक रीते उपयोगी छे। छतां मनुष्य भात्र माटे हवे एक मुसीबत बनतुं जाय छे। आ साधन छे भोबाईल के सेलझेन। ऐना वगर भोटाभागना लोकोनी दिनर्चार्या शङ् थती नथी। आभो दिवस लोको तेने छातीमे वणगाडीने झेरे छे। अने ते आम जनतानी ईनिक जड़ीयातनी वस्तु बनी गयो छे। आजथी झक्त पंदर वीस वर्ष पहेलाना समयनी कल्पना करो। ए वजेते आ झोन सहेलाईथी भणतो न हतो। लोको शांतिथी ज्ञवता हता। आजे आपणी पासे आ साधन आवी ज्याना कारणे आपणे पोते शांतिथी ज्ञवता नथी के बीजाने पण ज्ञवता हेता नथी।

###